“जब वचन पूरा होने के करीब होता है, चीजें घटने लगती हैं।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

सभी नामों के ऊपर जो नाम है, प्रभु परमेश्वर और राजाओं के राजा, हमारे महान ईश्वर यीशु मसीह के नाम में नमस्कार। स्तुति, सम्मान और महिमा हमेशा उनके लिए हैं। वह हमारे उद्धारकर्ता हैं, और जो सत्य वह प्रदान करते हैं, वही संसार में स्थायी सत्य है।

ईश्वर के वचन और उनके पूरे होने का समय

प्रेरितों के काम 7:17 (New King James Version) में लिखा
है:
“परंतु जब उस वचन का समय निकट आया, जो ईश्वर ने अब्राहम से
शपथ लेकर कहा था, तब लोगों की संख्या बढ़ी और मिस्र में वे प्रचुर हुए, 18 जब तक कि एक और राजा आया, जो यूसुफ को नहीं जानता था। 19 इस व्यक्ति ने हमारे लोगों के साथ कपटपूर्ण व्यवहार किया और हमारे पूर्वजों को दबाया, उनके शिशुओं को उजागर करने के लिए ताकि वे जीवित न रहें।”

यह उस वचन की ओर संकेत करता है जो ईश्वर ने अब्राहम से उत्पत्ति 12:1-3 में किया था, जिसमें ईश्वर ने अब्राहम से कहा कि उसके वंशज कनान भूमि के अधिकारी होंगे, और यह वचन ईशाक और याकूब के माध्यम से आगे बढ़ेगा। यह वचन अब्राहमिक वाचा का मूल है, जो ईश्वर की मोक्ष योजना को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

“जब वचन पूरा होने के करीब होता है, चीजें घटने लगती हैं।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

इज़राइली लोगों की मिस्र में तेजी से वृद्धि, यह संकेत था कि ईश्वर इस वाचा को पूरा करने की तैयारी कर रहे हैं।

संपीड़न का ईश्वर की योजना में स्थान

निर्गमन 1:7-14 (NIV) में लिखा है:
“इज़राइली अत्यधिक फलते-फूलते थे; उनकी संख्या इतनी बढ़ी कि भूमि भर गई। तब एक नया राजा आया, जो यूसुफ को नहीं जानता था। उसने अपने लोगों से कहा, ‘इज़राइली हमारे लिए बहुत अधिक हो
गए हैं। हमें उनके साथ चतुराई से पेश आना होगा, अन्यथा उनकी संख्या और बढ़ेगी और यदि युद्ध हुआ, तो वे हमारे शत्रुओं में शामिल होंगे और हमारे देश से बाहर चले जाएंगे।’ इसलिए
उन्होंने उनके ऊपर गुलाम प्रबंधक रखे, जबरन श्रम कराया और फिरौन के लिए पितोम और रामेसेस शहर बनाए। लेकिन जितना
उन्हें दबाया गया, वे और अधिक फैलते गए; इसलिए मिस्रियों को इज़राइलियों से भय होने लगा।”

इज़राइली लोगों पर होने वाला यह अत्याचार ईश्वर की योजना का हिस्सा था। कठिनाइयों के बीच भी, ईश्वर का उद्देश्य आगे बढ़ रहा था। यह हमें याद दिलाता है कि ईश्वर की संप्रभुता कठिन परिस्थितियों में भी काम करती है। जो शत्रु बुरा सोचते हैं, ईश्वर उसे भला करने के लिए प्रयोग करते हैं (उत्पत्ति 50:20;

“जब वचन पूरा होने के करीब होता है, चीजें घटने लगती हैं।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

रोमियों 8:28)।

ईश्वर का समय और भविष्यवाणियों का पूरा होना

जब ईश्वर के वचन पूरा होने के करीब होते हैं, तो वे उससे जुड़ी घटनाओं को तेज कर देते हैं। यह इज़राइलियों की संख्या के तेजी से बढ़ने में स्पष्ट दिखाई देता है। जो धीरे-धीरे बढ़ रहा था, वह अचानक और तीव्र हो गया।

यह सिद्धांत न केवल ऐतिहासिक है, बल्कि भविष्यवाणी भी है। नए नियम में, यीशु बताते हैं कि उनके वापस आने से पहले इसी प्रकार की घटनाएँ घटेंगी। मत्ती 24, मार्क 13 और लूका 21 में यीशु ने हमें अंतिम दिनों में आने वाले संकेत बताए।

20वीं और 21वीं शताब्दी में हमने कई संकेतों की पूर्ति देखी है:

1. इज़राइल का राष्ट्र के रूप में पुनः स्थापित होना
1948 में, इज़राइल फिर से एक संप्रभु राष्ट्र बना, यह येज़ेकियल 37:21-22 (NIV) की भविष्यवाणी पूरी करता है:
“राजा यहोवा कहता है: मैं इज़राइली लोगों को उन देशों से निकालूंगा जहाँ वे गए हैं; मैं उन्हें चारों ओर से इकट्ठा कर अपने देश में वापस लाऊंगा।”
2. झूठे भविष्यद्वक्ताओं का बढ़ना
मत्ती 24:11 (NIV) में लिखा है:
“और कई झूठे भविष्यद्वक्ता प्रकट होंगे और कई लोगों को धोखा देंगे।”
हम आधुनिक युग में झूठे भविष्यद्वक्ताओं की वृद्धि देख रहे हैं।
3. ज्ञान और प्रगति में वृद्धि

“जब वचन पूरा होने के करीब होता है, चीजें घटने लगती हैं।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

दानिय्येल 12:4 (NIV) में लिखा है:
“परंतु तू, दानिय्येल, किताब के शब्दों को मोड़कर समय के अंत तक सील कर दे। कई लोग यहां वहां जाएंगे और ज्ञान बढ़ाएंगे।”
आज प्रौद्योगिकी और ज्ञान की तेजी स्पष्ट है, जैसे इंटरनेट और स्मार्टफोन का विकास।

मसीह की वापसी निकट है

20वीं और 21वीं शताब्दी की घटनाओं को देखकर हम भविष्यवाणी की तीव्र पूर्ति देख सकते हैं। ईश्वर का वचन चर्च को लेने के लिए निकट है, और इसी कारण सब कुछ तेजी से हो रहा है। यह हमें समझना चाहिए कि ईश्वर मसीह की वापसी की योजना को तेज कर रहे हैं।

जब मसीह लौटेंगे, यह उसी तेजी से होगा जैसे इज़राइलियों की संख्या अचानक बढ़ी थी। अंतिम समय जल्दी खुलेंगे। मत्ती 24:36 (NKJV) में यीशु कहते हैं:

“उस दिन और घड़ी के बारे में कोई नहीं जानता, न स्वर्ग के देवदूत, बल्कि केवल मेरा पिता।”

हमें तैयार रहना है, सतर्क रहना है। यह समय विश्वास में अल्पजीवी या दुनिया में व्यस्त होने का नहीं है।

“जब वचन पूरा होने के करीब होता है, चीजें घटने लगती हैं।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

लूका 17:32-36 (NKJV) में यीशु चेतावनी देते हैं:
“लोत की पत्नी को याद करो। जो अपनी जान बचाने की कोशिश
करेगा, वह उसे खो देगा, और जो अपनी जान खो देगा, वह उसे
बचाएगा। उस रात एक बिस्तर में दो होंगे: एक लिया जाएगा और
दूसरा छोड़ा जाएगा। दो महिलाएँ साथ पीस रही होंगी: एक ली
जाएगी और दूसरी छोड़ी जाएगी।”

यह हमें मसीह की अचानक वापसी और आध्यात्मिक तैयारी की आवश्यकता सिखाता है। हमें पूरी तरह से यीशु का अनुसरण करना है, न कि दुनिया के लिए जीना या अपने पुराने जीवन को पकड़ना।

निष्कर्ष: क्या आप मसीह की वापसी के लिए तैयार हैं?

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न: क्या आप नया जन्म ले चुके हैं? क्या आप मसीह की वापसी की उम्मीद में जी रहे हैं, या अभी भी दुनिया की स्वीकृति ढूंढ रहे हैं? क्या आप पूरी तरह से मसीह के आज्ञाकारी हैं और उनके लौटने के संकेतों के प्रति सतर्क हैं?

लोत की पत्नी को याद करें (लूका 17:32)। उसने पीछे मुड़कर अपने पुराने जीवन को देखा, और वह सब कुछ खो बैठी। हमें यीशु का अनुसरण पूरी निष्ठा और बिना झिझक करना है।

“जब वचन पूरा होने के करीब होता है, चीजें घटने लगती हैं।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

मरानाथा — “आओ, प्रभु यीशु।” (प्रकाशितवाक्य 22:20)

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp